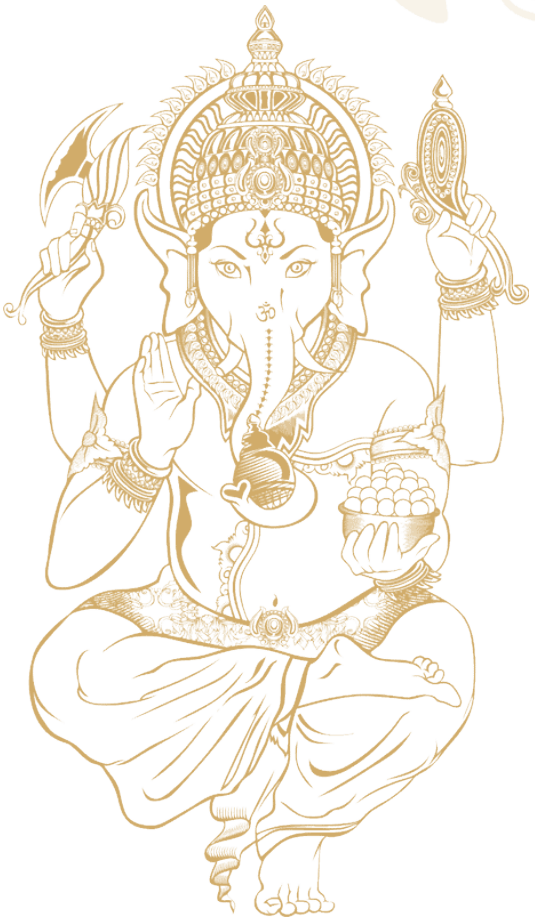

????

04 Dec 1991

05:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121714907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/12/1991**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:45:00 घंटे**
इष्ट	56:58:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:25 घंटे
साम्पातिक काल	10:13:08 घंटे
सूर्योदय	06:57:43 घंटे
सूर्यास्त	17:23:44 घंटे
दिनमान	10:26:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:35:04 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:04:08 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:04:08	306:47:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	17:35:04	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	23:04:58	12:36:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	09:45:04	00:42:51	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	27:56:59	00:56:48	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			सिंह	19:44:51	00:04:56	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	03:35:59	01:09:07	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			मक	09:16:31	00:05:18	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	16:18:57	00:04:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:18:57	00:04:53	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	18:19:43	00:03:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	21:28:00	00:01:58	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	27:22:16	00:02:18	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	07:30:33	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:55

लग्न-चलित

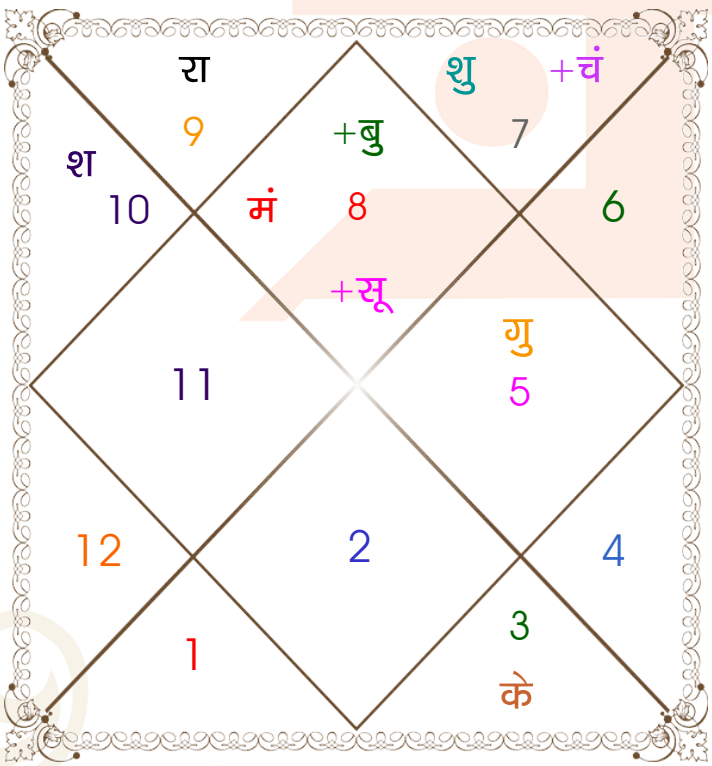

चन्द्र कुंडली

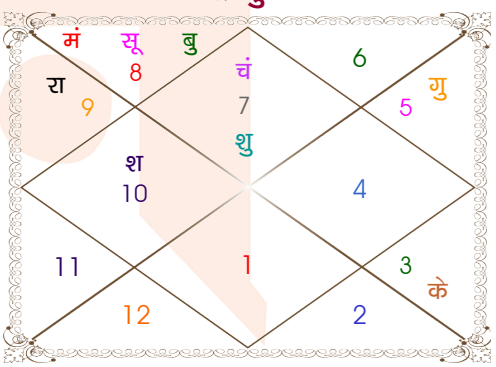

नवमांश कुंडली

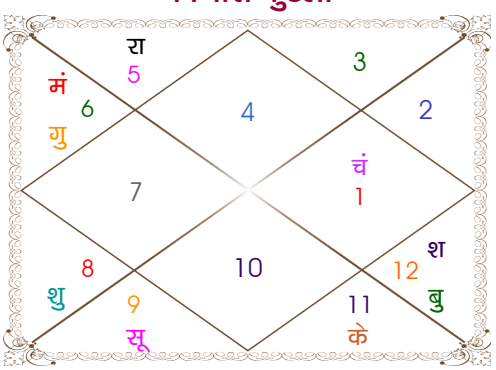

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 3 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/12/1991		23/03/2004		23/03/2023		23/03/2040		23/03/2047	
23/03/2004		23/03/2023		23/03/2040		23/03/2047		23/03/2067	
	04/12/1991	शनि	26/03/2007	बुध	19/08/2025	केतु	19/08/2040	शुक्र	23/07/2050
शनि	21/11/1992	बुध	03/12/2009	केतु	16/08/2026	शुक्र	19/10/2041	सूर्य	23/07/2051
बुध	27/02/1995	केतु	12/01/2011	शुक्र	16/06/2029	सूर्य	24/02/2042	चंद्र	23/03/2053
केतु	03/02/1996	शुक्र	14/03/2014	सूर्य	22/04/2030	चंद्र	25/09/2042	मंगल	23/05/2054
शुक्र	04/10/1998	सूर्य	24/02/2015	चंद्र	22/09/2031	मंगल	21/02/2043	राहु	23/05/2057
सूर्य	23/07/1999	चंद्र	24/09/2016	मंगल	18/09/2032	राहु	10/03/2044	गुरु	22/01/2060
चंद्र	21/11/2000	मंगल	03/11/2017	राहु	07/04/2035	गुरु	14/02/2045	शनि	23/03/2063
मंगल	28/10/2001	राहु	09/09/2020	गुरु	13/07/2037	शनि	26/03/2046	बुध	21/01/2066
राहु	23/03/2004	गुरु	23/03/2023	शनि	23/03/2040	बुध	23/03/2047	केतु	23/03/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/03/2067		23/03/2073		23/03/2083		23/03/2090		24/03/2108	
23/03/2073		23/03/2083		23/03/2090		24/03/2108		00/00/0000	
सूर्य	11/07/2067	चंद्र	21/01/2074	मंगल	19/08/2083	राहु	03/12/2092	गुरु	12/05/2110
चंद्र	09/01/2068	मंगल	22/08/2074	राहु	06/09/2084	गुरु	29/04/2095	शनि	05/12/2111
मंगल	16/05/2068	राहु	21/02/2076	गुरु	13/08/2085	शनि	05/03/2098		00/00/0000
राहु	10/04/2069	गुरु	22/06/2077	शनि	22/09/2086	बुध	22/09/2100		00/00/0000
गुरु	27/01/2070	शनि	21/01/2079	बुध	19/09/2087	केतु	11/10/2101		00/00/0000
शनि	09/01/2071	बुध	22/06/2080	केतु	15/02/2088	शुक्र	10/10/2104		00/00/0000
बुध	16/11/2071	केतु	21/01/2081	शुक्र	16/04/2089	सूर्य	04/09/2105		00/00/0000
केतु	23/03/2072	शुक्र	22/09/2082	सूर्य	22/08/2089	चंद्र	06/03/2107		00/00/0000
शुक्र	23/03/2073	सूर्य	23/03/2083	चंद्र	23/03/2090	मंगल	24/03/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।